तापमान
अधिकतम 36.5 डिग्री
न्यूनतम 21.5 डिग्री

हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार, 29 सितंबर 2025

11 यात्रियों की सुविधा के लिए त्योहारी सीजन में 27 जोड़ी ट्रेनों में 92 डिब्बों की बढ़ोतरी

12 ड्रामेटिक क्लब रामलीला में सामाजिक नाटक 'दुल्हन एक रात को' का मंचन

खबर संक्षेप

पोक्सो एक्ट के तहत युवती गिरफ्तार

रेवाड़ी। सिटी पुलिस ने पोक्सो एक्ट के तहत दर्ज मामले में एक युवती को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर गत 27 अगस्त को पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया था। केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की थी। इस मामले में पुलिस ने रामसिंहपुरा की एक युवती को गिरफ्तार कर लिया। उस पर एक नाबालिग को अपने साथ भगा ले जाने का आरोप है। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

सड़क हादसे का आरोपी चालक गिरफ्तार

धारूहेड़ा। पुलिस ने सड़क हादसे के बाद फरार हुए गए वाहन चालक को गिरफ्तार किया है। बस स्टैंड के पास हुए हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया था। इस हादसे में एक व्यक्ति घायल हो गया था। पुलिस ने 27 सितंबर को आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने पलवल के उटावड़ निवासी इलयास को गिरफ्तार कर लिया। बाद में उसे पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

बाइक से गिरकर युवक की मौत

रेवाड़ी। गढ़ी बोलनी रोड के पास बाइक से गिरकर बिहार के एक युवक की मौत हो गई। बिहार के मोहम्मदपुर देवपारा निवासी सूर्याकुमार ढालियावास गांव में किराए के मकान में रह रहा था। वह बाइक लेकर कहीं जा रहा था। बाइक स्लिप होने के कारण वह सड़क पर गिरकर घायल हो गया। अस्पताल पहुंचाने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के हवाले कर दिया।

थाने में आवेश दिखाने वाले आठ गिरफ्तार

रेवाड़ी। एक परिवाद में थाने बुलाए दो पक्षों में से एक पक्ष के लोग आवेश में आए तो पुलिस ने उन्हें हवालात की हवा खिला दी। परिवार को लेकर दोनों पक्षों के लोगों को थाने बुलाया था। विवाद बढ़ता देख पुलिस ने महेंद्रगढ़ के डेरोली जाट निवासी प्रदीप, निखिल, नितिन, नवीन, नांगल सिरोही निवासी अजय, दोंगड़ा अहीर निवासी विश्वदेव व कलवाड़ी निवासी राकेश को गिरफ्तार कर लिया। दूसरे पक्ष के टेकचंद को भी निवारक कार्रवाई के तहत बंद किया गया।

दहेज उत्पीड़न मामले में एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज की मांग पर विवाहिता से मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने विवाहिता की ओर से गत वर्ष एक शिकायत दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच बातचीत से समझौता कराने के प्रयास किए थे। समझौता नहीं होने पर जुलाई माह में केस दर्ज किया गया था। इस मामले में पुलिस ने पटीकरा निवासी रमेश को गिरफ्तार कर लिया। बाद में उसे पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

चोरी के प्रयास का आरोपी नाबालिग अभिरक्षा में लिया

रेवाड़ी। थाना खोल पुलिस ने निमोठ गांव में एक मकान में चोरी की नीयत से घुसे नाबालिग को अभिरक्षा में लिया है। उसे जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के समक्ष पेश करने के बाद बाल सुधार गृह भेज दिया गया। पुलिस को दर्ज शिकायत में गांव निवासी राजेश ने बताया था कि गत 24 सितंबर को पड़ोस में रहने वाला नाबालिग लड़का चोरी की नीयत से उसके मकान के कमरे में घुस गया। पता चलने के बाद वह फरार होने में कामयाब हो गया। उसने इसकी सूचना डायल-112 पर दी। इसके बाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने 25 सितंबर को राजेश की शिकायत पर चोरी के प्रयास का केस दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने आरोपी नाबालिग को गिरफ्तार कर लिया।

पिछले साल दीपावली से पहले शहर में लगाई गई ज्यादातर तिरंगा लाइटें हो चुकी बंद

त्योहारी सीजन में भी शहर के कई मार्गों पर रात के समय अंधेरा, दीपावली पर कैसे रोशन होगा शहर

बाजार में अंधेरा रहने पर चेन स्नेचिंग व चोरी की वारदात भी होने की संभावना काफी बढ़ जाती है। अंधेरे का फायदा उठाकर चोर कभी भी चोरी की घटना को अंजाम दे सकते हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से अभी तक इस पर कोई संज्ञान नहीं लिया गया।

रेवाड़ी। महाराणा प्रताप चौक से अनाजमंडी रोड पर छाया अंधेरा। फोटो :हरिभूमि

खराब स्ट्रीट लाइटें भी नहीं की जा रही ठीक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

नवरात्र के आगाज के साथ ही त्योहारी सीजन शुरू हो चुका है, लेकिन शहर के सेक्टर, कॉलोनियों व सरकुलर रोड सहित कई मार्गों पर स्ट्रीट लाइटें खराब होने से रात के समय अंधेरा छाया रहता है। रात के समय सड़कों पर छाया अंधेरा वाहन चालकों व राहगीरों के लिए परेशानी बना हुआ है। नगर परिषद की ओर से स्ट्रीट लाइटों के मेंटेनेंस का लाखों रुपये का ठेका देने के बाद भी देखदेख नहीं की जा रही है। नगर परिषद के अधिकारी भी शहर की लाइटों को चालू कराने के लिए रूचि नहीं दिखा रहे है। गत वर्ष 2024 में नगर परिषद की ओर से दीपावली से पहले शहर के मार्गों पर तिरंगा लाइटें लगाने के साथ स्ट्रीट लाइटों के मेंटेनेंस का ठेका दिया गया था, जिसके बाद शहर लाइटों से रोशन नजर आया, लेकिन वर्तमान में ज्यादातर स्ट्रीट लाइटें व तिरंगा लाइटें बंद पड़ी हुई है।

शहर के सचिवालय रोड सहित अनाजमंडी रोड, सरकुलर रोड, मेन बाजार, गढी बोलनी रोड, बाइपास, मिनी बाइपास, पुराने हाउसिंग बोर्ड रोड, सेक्टरों व कॉलोनियों पर काफी स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी हुई है।

रेवाड़ी। नेहरू पार्क के पास सेक्टर एक में छाया अंधेरा। फोटो :हरिभूमि

रेवाड़ी। ब्रास मार्केट की मुख्य सड़क पर छाया अंधेरा। फोटो :हरिभूमि

वाहन चालकों को ज्यादा परेशानी हो रही

शहर का सौन्दर्य बढ़ाने के लिए बिजली पोल पर लगाई गई 45 लाख की काफी तिरंगा लाइटें भी खराब होकर दम तोड़ चुकी है। शहर के सरकुलर रोड, मेन बाजार, गढ़ी बोलनी रोड, दिल्ली रोड, बावल रोड व ओवरब्रिज सहित सहित सभी मार्गों पर तिरंगा लाइटें लगाई गई थी। स्ट्रीट लाइटें व तिरंगा लाइटें खराब होने से शहर की सड़कों पर रात के समय अंधेरा छाया रहता है। स्ट्रीट लाइटों के बंद रहने से रात के समय वाहन चालकों को ज्यादा परेशानी हो रही है। ठेका लेने वाली फर्म की ओर से खराब हुई स्ट्रीट लाइटों व तिरंगा लाइटों की मरम्मत तक नहीं की जा रही है और न ही नगर परिषद की ओर से स्ट्रीट लाइटों को चालू कराने के लिए सजगता बरती जा रही है।

त्योहारी सीजन शुरू होने से मुख्य बाजार में भी खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ बढ़ने लगी

अंधेरे का फायदा उठाकर चोर कभी भी चोरी की घटना को अंजाम दे सकते है

चोरी की वारदात भी होने की संभावना

त्योहारी सीजन शुरू होने से मुख्य बाजार में भी खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ बढ़ने लगी है, लेकिन शहर के मेन बाजार मोती चौक सहित केवल बाजार, पुरानी अनाजमंडी, सर्राफा बाजार, जीवली बाजार, रेलवे रोड व बारा हजारी मार्ग सहित कई बाजार स्ट्रीट लाइटें बंद होने से अंधेरे में व्याप्त है। बाजार में अंधेरा रहने पर चेन स्नेचिंग व चोरी की वारदात भी होने की संभावना काफी बढ़ जाती है। अंधेरे का फायदा उठाकर चोर कभी भी चोरी की घटना को अंजाम दे सकते है, लेकिन प्रशासन कर ओर से अभी इस ओर कोई संज्ञान नहीं लिया गया है।

आग से किसान की हजारों रुपये की कड़बी जलकर राख

रेवाड़ी। गांव सुनारिया असदपुर में कड़बी में लगी आग। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धारूहेड़ा

- फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने मौके पर जाकर आग पर काबू पाया

सुनारिया असदपुर गांव में रविवार सुबह एक किसान के खेत में आग लगने से हजारों रुपये की बाजरे की कड़बी जलकर राख हो गई। फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने मौके पर जाकर आग पर काबू पाया। पुलिस आगजनी के कारणों की जांच कर रही है। गांव के किसान रामपाल ने अपने खेत में बाजरे की फसल काटने के बाद कड़बी एक स्थान पर एकत्रित की हुई थी। रविवार को सुबह के समय उसकी कड़बी में आग लग गई। आसपास के लोगों ने रामपाल और फायर बिग्रेड को सूचना दी। ग्रामीणों ने खुद भी आग पर काबू पाने का प्रयास किया। इसके बाद फायर ब्रिगेड ने मौके पर जाकर आग पर काबू पाया। तब तक उसकी कड़बी जलकर राख हो चुकी थी। बताया जा रहा है कि पड़ोस के एक किसान ने बाजरे की फसल के अवशेष अपने खेत में दो दिन पूर्व जलाए थे, जिनकी आग शांत नहीं हुई थी। वहीं से पहुंची चिंगारी से कड़बी में आग लग गई, जिससे हजारों रुपये का नुकसान हो गया।

पिता-पुत्र सहित कई लोगों पर अभद्रता करने व मारपीट का केस दर्ज

कोसली। कोसली स्टेशन क्षेत्र के बाजार में अपने काम के लिए आए खानपुर खुर्द गांव के एक युवक ने पिता-पुत्र व उनके अन्य साथियों पर अभद्र गालियां देने, मारपीट करने तथा कार को क्षतिग्रस्त करने व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए कोसली थाने में मामला दर्ज कराया है। खानपुर खुर्द निवासी नरवीर कुमार गहलावत ने कोसली पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह रविवार दोपहर डेढ़ बजे अपनी मां कमलेश देवी व बहन नीलम व अनिता के साथ कोसली रेलवे स्टेशन के बाजार में एक ज्वैलर्स के पास आए थे। गाड़ी को आरओबी के पास खड़ी करके सुनार की दुकान पर चले गए। थोड़ी देर बाद में कुछ सामान व पैसे लेने गाड़ी के पास आए तो बिना नंबर की स्कार्पियो कार के चालक ने उन्हें अभद्र गालियां देते हुए गाड़ी हटाने को कहा। गाली देने पर एतराज करने पर स्कॉर्पियो चालक ने अपने दो साथियों के साथ गाड़ी से उतर कर उनके साथ गाली गलौच व अभद्र व्यवहार किया। इसके बाद कार चालक ने कहीं फोन किया। कुछ समय बाद एक दूसरी गाड़ी में हाथों में पंच लिए तीन लड़के आए, जिन्होंने उनके साथ मारपीट करते हुए उनकी गाड़ी की खिड़की का शीशा तोड़ दिया। पुलिस ने उसकी शिकायत पर आरोपियों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

जानलेवा हमला करने के मामले में तीसरा आरोपी गिरफ्तार

पुलिस दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

कानोड गेट चौकी पुलिस ने गत 26 जून को मोहल्ला शिव कॉलोनी में एक मकान पर फायरिंग करके जानलेवा हमला करने के मामले में संलिप्त एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान मोहल्ला कुतुबपुर निवासी नक्षत्र उर्फ नक्सु के रूप में हुई है। पुलिस इस मामले में दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। शिव कॉलोनी निवासी विजय कुमार ने अपनी शिकायत में बताया था कि गत 26 जून को उसके मकान के बहार दो युवक मोहल्ला कुतुबपुर निवासी गौरव व हेमंत उर्फ हांडी बाइक पर आए और उसके मकान पर फायरिंग करने लगे।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में फायरिंग मामले का आरोपी। फोटो :हरिभूमि

न्यायिक हिरासत में भेज दिया

फायरिंग की आवाज सुनकर जब उसकी बेटी ने मकान का दरवाजा खोल कर देखा तो आरोपी गौरव ने उस पर सीधे फायर करके जानलेवा हमला कर दिया। वारदात में उसकी बेटी के नीचे बैठ जाने के कारण गोली उनके मकान के जाकर लगी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना शहर में हत्या के प्रयास व आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज करके मामले में संलिप्त दो आरोपी मोहल्ला कुतुबपुर निवासी गौरव व हेमंत उर्फ हांडी को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने शनिवार को मामले में संलिप्त एक और आरोपी नक्षत्र उर्फ नक्सु को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

तीन पेटी शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

कोसली। थाना कोसली पुलिस ने ऑल्टो कार में शराब लेकर जा रहे एक आरोपी को तीन पेटी अवैध शराब सहित गिरफ्तार किया है। उसकी कार को भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया। आरोपी के खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि जाटूसाना निवासी प्रदीप अपनी ऑल्टो कार में अवैध लेकर मुबारिकपुर चौक से अपने गांव की ओर जा रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने गुड़ियानी जखाला रोड पर नाकेबंदी कर दी। इसी दौरान एक ऑल्टो कार वहां आई। कार रुकवाने के बाद तलाशी ली, तो उससे तीन पेटी देशी शराब के पव्वे बरामद हुए। पुलिस ने आरोपी को कार व शराब सहित गिरफ्तार करने के बाद उसके खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

रेवाड़ी। शराब के साथ पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

आफत बना बॉबी देओल का आगमन, आधे घंटे बावल रोड रहा बाधित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

बावल रोड से आवागमन करने वाले सैकड़ों वाहन चालकों के रविवार शाम उस समय भारी परेशानी का सामना करना पड़ा, जब बॉबी देओल एक ज्वेलरी शॉप का शुभारंभ करने के लिए पहुंचे। इस दौरान लोगों की भीड़ ने सड़क याताया को दोनों ओर से बंद रखा, जिससे वाहन चालकों को दूसरे मार्गों से निकलना पड़ा। रविवार शाम को बावल रोड पर एक ज्वेलरी शॉप का शुभारंभ करने के लिए आयोजकों ने फिल्म स्टार बॉबी देओल को आमंत्रित किया था।

रेवाड़ी। पुलिस की गाड़ी लगाकर बंद किया गया बावल रोड, बावल रोड पर बॉबी देओल को देखने के लिए खड़े लोग, कार्यक्रम स्थल पर शार्ट सर्किट के बाद उठता धुआं।

वाहन चालकों को दूसरे मार्गों से होकर निकलना पड़ा

बॉबी देओल के आगमन की सूचना पाकर उनके प्रशंसकों की भीड़ बावल रोड पर एकत्रित हो गई, जिससे रोड पर जाम लग गया। पुलिस ने अपने वाहन खड़े करके सड़क को आवागमन के लिए बंद कर दिया। इससे वाहन चालकों को दूसरे मार्गों से होकर निकलना पड़ा। लगभग आधे घंटे तक शहर के दूसरे मार्गों पर जाम जैसे हालात बने रहे। आयोजकों की ओर से अपनी और बॉबी देओल की सुरक्षा के लिए तो बाउंसरों की व्यवस्था की हुई थी, परंतु भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने ही मोर्चा संभाला हुआ था। गनीमत यह रही कि लोगों में किसी तरह की धक्का-मुक्की नहीं हुई।

शॉर्ट सर्किट से हादसा टला

शॉप के बाहर ही बॉबी के लिए बनाए गए मंच के पास ही बॉबी के आगमन के कुछ देर बाद बिजली की तारों में शॉर्ट सर्किट से धुआं निकलने लगा। इसी दौरान वहां मौजूद शख्स ने बिजली सप्लाई बंद कर दी। अगर समय रहते सप्लाई बंद नहीं की जाती, तो इससे बड़ा हादसा भी हो सकता था। लगभग 10 मिनट तक रुके बॉबी देओल ने सिर्फ इतना कहा कि उन्हें रेवाड़ी आकर काफी अच्छा लगा। इसके बाद वह रवाना हो गए।

बादलों के बीच हल्की बारिश या बूंदाबांदी की संभावना

आंशिक बादलों से गिरा तापमान, कल से मौसम में बदलाव का अनुमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

बारिश होने से सरसों की बिजाई में मिलेगी मदद

मौसम में एक बार फिर से बदलाव आना शुरू हो गया है। आसमान में आंशिक बादल छाने से दिन के तापमान में कमी दर्ज की गई। 30 सितंबर से आसमान में बादल छाने व हल्की बरसात या बूंदाबांदी की संभावना जताई जा रही है। अगर इस समय बारिश होती है, तो उससे किसानों को सरसों की बिजाई में काफी मदद मिल सकेगी।

रविवार को सुबह के समय आसमान साफ रहा। दोपहर तक बादल गहराने से बूंदाबांदी की संभावना बनी, लेकिन शाम तक आसमान साफ हो गया। अधिकतम तापमान 1.0 डिग्री सेल्सियस गिरकर 36.5 डिग्री पर आ गया, जिससे दिन के समय गर्मी से कुछ हद तक राहत मिली रही। रात का तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 21.5 डिग्री पर पहुंच गया। एक सप्ताह बाद रात का तापमान इस स्तर पर पहुंचा है।

रेवाड़ी। अनाजमंडी में बाजरे की ढेरी बनाते हुए मजदूर। फोटो :हरिभूमि

हवाओं की रफ्तार 13 किमी प्रति घंटा रही

हवा में नमी का स्तर 63 फीसदी तक चला गया, जबकि हवाओं की रफ्तार 13 किमी प्रति घंटा रही। मौसम में सितंबर माह के अंत में बदलाव आना शुरू हो गया है। रात के समय गर्मी का असर कम हो रहा है। सुबह और शाम के समय भी भारी गर्मी का असर कम हो चुका है।

बारिश का इंतजार कर रहे किसान

सितंबर माह के पहले सप्ताह तक मौसम साफ होने का इंतजार कर रहे किसानों को एक बार फिर बारिश की दरकार है। सरसों की बिजाई का कार्य शुरू हो गया है। इसके लिए किसानों को जमीन की सिंचाई करनी पड़ रही है। अगर इस समय बारिश होती है, तो किसानों को सिंचाई की जरूरत नहीं पड़ेगी। बारिश होने के बाद किसान बिना सिंचाई के ही सरसों की बिजाई कर सकते हैं। इस बार 45 हजार हेक्टेयर जमीन पर सरसों की बिजाई का लक्ष्य निर्धारित किया हुआ है।

दोपहर के समय ही गर्मी पसीना छुड़ाती है

दोपहर के समय ही गर्मी पसीना छुड़ाती है। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को भी आंशिक बादल छा सकते हैं। माह के अंतिम दिन आसमान में बादलों के बीच बूंदाबांदी या हल्की बारिश हो सकती है। अक्टूबर के पहले सप्ताह में भी मौसम परिवर्तनशील बना रह सकता है। अक्टूबर माह के दूसरे पखवाड़े में तापमान में ज्यादा कमी आने की संभावना है, जिससे गर्मी की विदाई पूरी तरह हो जाएगी।

कैंप में 142 लोगों ने करवाई स्वास्थ्य जांच

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में फ्री चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। कैंप में 142 मरीजों को ओपीडी सेवाएं व फ्री दवाईयां भी प्रदान की गई। शिविर में डा. तरुण यादव गुर्दा रोग विशेषज्ञ ने मेडिसन, डा. सिद्धार्थ यादव ने हड्डीरोग, डा. सुनील यादव ने सर्जरी, डा. अजीत यादव ने बालरोग, डा. अजीत सिंह यादव ने चर्मरोग व डा. निशा यादव ने नेत्ररोग में ओपीडी सेवाएं प्रदान की। लेफ्टिनेंट पूर्ण सिंह यादव ने भी फ्री फिजियोथेरेपी सेवाएं प्रदान की। कैंप के आयोजन में डा. यशपाल यादव, जसवंत सिंह, अमर सिंह ने सहयोग प्रदान किया।

मां दुर्गा की पूजा

साल भर में नवरात्रि दो बार आती हैं। लोग चैत्र और शारदीय नवरात्रि में मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करके अपनी मनोकामना की पूर्ति के लिए कामना करते हैं। इस समय शारदीय नवरात्रि चल रही है, जोकि इस बार 9 की बजाय 10 दिन चलेगी। ये दुर्लभ योग लगभग 27 साल बना है। जहां दुर्गा अष्टमी 30 सितंबर को है वहीं नवमी की पूजा 1 अक्टूबर को होगी। दुर्गा अष्टमी अपने आप में खास है। इस दिन की पूजा का सबसे ज्यादा महत्व होता है। इसी तरह नवमी की पूजा का भी महत्व है।

परंपरा, उत्साह और संस्कृति का पर्व दशहरा

दशहरा को विजयादशमी भी कहा जाता है। पूरे देश में इसे बुराई पर अच्छाई की विजय के रूप में देखा जाता है। माना जाता है कि जिस दिन भगवान राम ने लंका के राजा रावण का वध किया, उस दिन को 'दशहरा' पर्व के रूप में मनाते हैं।

संस्कृति

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

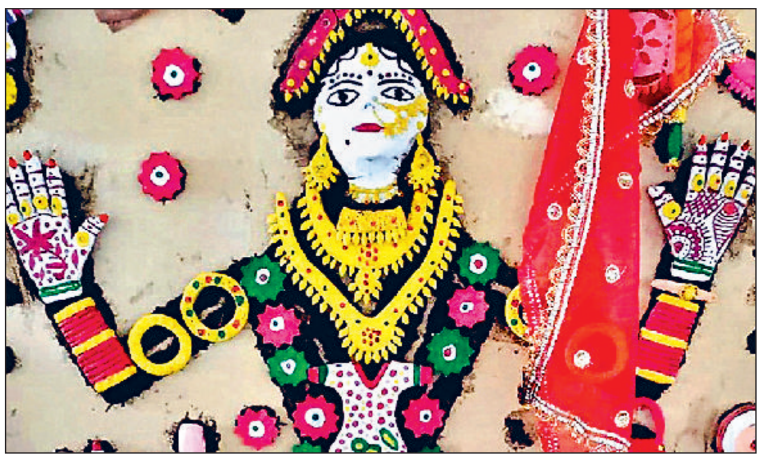

नवरात्रि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में घरों की दीवारों पर मिट्टी, गोबर, और अन्य सामग्री से सांझी की आकर्षक आकृति बनाई जाती है और घरों में सांझी माता की प्रतिमा दीवारों पर सजाई जाती है सांझी मातृदेवी मानी जाती हैं, जिन्हें दुर्गा या पार्वती का रूप माना जाता है। सांझी को चूड़ी, बिंदी और अन्य आभूषणों से सजाया जाता है। शारदीय नवरात्रि में सांझी की पूजा मुख्य रूप से की जाती है और दशहरे के दिन विसर्जन होता है।

भारत उत्सवों का देश है, जहां हर पर्व लोगों के जीवन में उत्साह, भक्ति और सांस्कृतिक विविधता का रंग भरता है। यहां मनाए जाने वाले पर्व न केवल आस्था से जुड़े होते हैं बल्कि उनके नाम और परंपराओं में गहरे सांस्कृतिक और पौराणिक अर्थ भी छिपे होते हैं। ऐसा ही एक प्रमुख पर्व है दशहरा; जिसे विजयादशमी भी कहा जाता है। यह त्योहार अश्विन मास की शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है और पूरे देश में इसे बुराई पर अच्छाई की विजय के रूप में देखा जाता है।

असल में 'दशहरा' शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है दश और हारा। दश का अर्थ है 'दस' और हारा का अर्थ है 'हारना'। जिसका सीधा संकेत है रावण के दस सिरों का नाश। माना जाता है कि जिस दिन भगवान राम ने लंका के राजा रावण का वध किया, उस दिन को 'दशहरा' के पर्व के रूप में मनाते हैं। रावण के दस सिर केवल उसके शरीर का प्रतीक नहीं थे, बल्कि वे दस प्रकार की बुराइयों जैसे क्रोध, काम, मोह, लोभ, अहंकार, ईर्ष्या, स्वार्थ, अन्याय, अत्याचार और अधर्म को दर्शाते थे। इस प्रकार दशहरा उन बुराइयों पर विजय का प्रतीक बन गया। इस क्रम में 'विजयादशमी' को देखें तो 'विजया' का अर्थ है विजय या जीत तथा 'दशमी' का अर्थ है मास की दशमी तिथि अर्थात यह वह तिथि है जब धर्म की अधर्म पर, सत्य की असत्य पर, और अच्छाई की बुराई पर विजय हुई। एक अन्य पौराणिक मान्यता के अनुसार इस दिन देवी दुर्गा ने महिषासुर नामक असुर का वध किया और देवताओं को पुनः उनका अधिकार लौटाया। इसलिए इस दिन को विजयादशमी भी कहा जाता है। भारत के लगभग सभी राज्यों में दशहरा हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाता है। उत्तर भारत में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब में रामलीला का मंचन और रावण दहन बड़े स्तर पर होता है। पश्चिम बंगाल और ओडिशा में इसे दुर्गा पूजा के रूप में मनाया जाता है। भव्य पंडाल, मूर्तियाँ और सिंदूर खेला इस पर्व की विशेषता हैं। दक्षिण भारत में कर्नाटक का मैसूर दशहरा विश्व प्रसिद्ध है। तमिलनाडु में बोम्मई गोलू और केरल में आयुध पूजा तथा विद्यारम्भम् की परंपरा है। जबकि गुजरात और महाराष्ट्र नवरात्रि के दौरान गरबा और डांडिया नृत्य होते हैं।

दशहरे पर शमी वृक्ष की पूजा होती है। दशहरा केवल देश की सीमाओं तक ही सीमित नहीं हैं। प्रवासी भारतीय जहाँ-जहाँ बसे हैं, वहाँ उन्होंने दशहरे और दुर्गा पूजा की परंपरा को भी जीवित रखा है। नेपाल में दशैं कहा जाता है और यह सबसे बड़ा पर्व है। श्रीलंका में रामायण से जुड़े स्थानों पर इस दिन विशेष अनुष्ठान किए जाते हैं। बांग्लादेश में दुर्गा पूजा बड़े पैमाने पर होती है और हिंदू समुदाय दशहरा भी मनाता है। जबकि अमेरिका और कनाडा, ब्रिटेन, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में बड़े भारतीय संगठन हर साल दुर्गा पूजा और रावण दहन का आयोजन करते हैं तथा सांस्कृतिक संस्थाएँ दशहरा महोत्सव आयोजित करती हैं। सिंगापुर और मलेशिया में भी दशहरा नवरात्रि और गरबा के साथ व्यापक रूप से मनाया जाता हैं। इसी प्रकार हरियाणा जहां अपनी वीरता और कृषि दोनों के लिए प्रसिद्ध है, यहाँ का दशहरा विशेष परंपराओं और ऐतिहासिक मान्यताओं से जुड़ा हुआ है। सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राज्य हरियाणा में दशहरा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह सामुदायिक मेलजोल, लोककलाओं के संरक्षण और परंपराओं को जीवित रखने का एक माध्यम भी है। हरियाणा में पानीपत के दशहरे की एक अनोखी परंपरा है। जहां मन्नत पूरी होने पर पुरुष और बच्चे हनुमान का रूप धारण करते हैं। वे कई दिनों तक ब्रह्मचर्य और तपस्या का पालन करते हैं। दशहरे के दिन वे रावण के पुतले की परिक्रमा करते हैं और फिर पुतले का दहन होता है। यह परंपरा अंग्रेज़ों के शासनकाल में भी जारी रही, जब दशहरा मनाने पर रोक लगी थी। कैथल में दशहरे पर लगभग 200 साल पुरानी परंपरा है। भक्त अष्टमी से दशहरे तक हनुमान स्वरूप में नगर की परिक्रमा करते हैं। दशहरे के दिन रावण पर गदा प्रहार किए बिना उसका दहन नहीं किया जाता। जबकि अंबाला दुनिया के सबसे ऊँचे रावण पुतले बनाने के लिए प्रसिद्ध है। बराड़ा में बनाए गए रावण ने कई बार रिकॉर्ड बनाया है और लाखों लोग इसे देखने आते हैं। फरीदाबाद में एक मुस्लिम परिवार पीढ़ियों से रावण के पुतले बना रहा है। यह धार्मिक सौहार्द और सामाजिक एकता का प्रतीक है। इसी प्रकार कुरुक्षेत्र महाभारत की भूमि होने के कारण यहाँ दशहरे का महत्व और बढ़ जाता है। पांडवों द्वारा शमी वृक्ष में हथियार छिपाने की कथा के चलते शमी पूजा यहाँ विशेष रूप से की जाती है। करनाल में तकनीकी दृष्टि से विशेष पुतले बनाए जाते हैं। रावण की आँखों और मुँह से आग और आतिशबाज़ी निकलती है, जो दर्शकों को आकर्षित करती है। दशहरे के पर्व की लोक

परम्पराएं भी अद्भुत हैं। प्रदेशभर में दशहरे से पहले गाँवों और शहरों में बड़े स्तर पर रामलीला होती है और सूर्यास्त के बाद रावण दहन किया जाता है। इस अवसर पर भव्य सांस्कृतिक आयोजन भी आयोजित किए जाते हैं और सांग, धमाल और अन्य लोक नृत्यों द्वारा लोग मनोरंजन करते हैं। नवरात्रि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में घरों की दीवारों पर मिट्टी, गोबर, और अन्य सामग्री से सांझी की आकर्षक आकृति बनाई जाती है और घरों में सांझी माता की प्रतिमा दीवारों पर सजाई जाती है सांझी मातृदेवी मानी जाती हैं, जिन्हें दुर्गा या पार्वती का रूप माना जाता है। सांझी को चूड़ी, बिंदी और अन्य आभूषणों से सजाया जाता है। शारदीय नवरात्रि में सांझी की पूजा मुख्य रूप से की जाती है और दशहरे के दिन विसर्जन होता है। हरियाणाभर में सांझी की पूजा के दौरान लोकगीत गाने की परंपरा भी है। यथा -

मेरी सांझी के औरे धौरै फूल रही कव्वाई
भान मैं तन्नै बूझूं संझा कैं तेरे भाई
मेरे पांच पचास भतीजे नौ दस भाई
भान कैयां का ब्याह रचाया कितने की सगाई
पांचा का तो ब्याह रचाया दसां की सगाई।

और देखिए ...

म्हारी सांझी ए के ओढैगी के पहरैगी
क्यांए की मांग भरावैगी
मिसरू पहरूंगी स्यालु औढूंगी
मोतियां की मांग भराऊंगी
म्हारी सांझी ए के जीमेगी के झूठेगी
क्यांए की चलुए भरावैगी
लाडू जीमूंगी पेड़ा झुठूंगी
इमरत की चलुए भराऊंगी

इसी क्रम में सांझी का आरता तो और अधिक विशेष है ...

आरता ए आरता संझा माई आरता
आरता के फूल चमेली की डाल्ही
नौ नौ नोरते दुरगा माई के
सोलां कनागत पितरां के
जाग सांझी जाग तेरै मात्थे लाग्या भाग
पीली पीली पट्टिआं सदा सुहाग

इसके अलावा नवरात्रि के दौरान मिट्टी के पात्र में बोए गए जौ को दशहरे पर काटकर बहनों द्वारा भाइयों के कान पर लगाया जाता है और उनके मंगल की कामना की जाती है। दशहरे के दिन पूजा के समय आयुध पूजा भी की जाती है। जिसमें किसानों और सैनिकों द्वारा औजारों और हथियारों की तो विद्यार्थियों द्वारा अपनी पुस्तकों और गृहिणियों द्वारा अपने रसोई की प्रयोग वस्तुओं की पूजा की जाती है।

इस अवसर पर सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राज्य हरियाणा विशेष परंपराओं और ऐतिहासिक धरोहर के साथ और भी जीवंत हो उठता है। यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह समाज को जोड़ने वाला पर्व है। जो बच्चों और युवाओं को हमारे पौराणिक इतिहास से जोड़ता है तथा हमें अपने भीतर की बुराइयों जैसे क्रोध, अहंकार और ईर्ष्या को समाप्त करने की प्रेरणा देता है। यह पर्व सामाजिक सौहार्द और सांस्कृतिक एकता को मज़बूत करता है। दशहरा भारतीय संस्कृति और एकता का संदेश देता है। यह पर्व हर साल हमें याद दिलाता है कि चाहे अंधकार कितना भी गहरा क्यों न हो, अंततः प्रकाश की विजय होती है। कहा जा सकता है कि हमारे भारत की ये समृद्ध परम्पराएं और पर्व तो विशेष हैं ही किन्तु हरियाणा की अपनी परम्परा और संस्कृति उसमें और चार चाँद लगा देती है, इसमें तनिक भी संदेह नहीं है।

कविता | **डा. रणबीर सिंह दहिया**

जलवायु प्रदूषण

कार्बन साइकल नै समझां जै दुनिया बचाणी रै।।
धरती संकट बढ़ता आवै होज्या कुनबा घाणी रै।।

पौधे करैं ऑक्सीजन पैदा ये सूरज के प्रकाश मैं
कार्बन डाइऑक्साइड सौखैं ये भोजन की आस मैं
संघर्ष और निर्माण का इतिहास बनाया प्राणी रै।।

इस ब्रह्मांड को समझैं इसमैं हम सां कड़े खड़े
कुदरत के नियम जाणे म्हारे कदम भी सही पड़े
इसका जब मजाक उड़ाया पड़ी मूंह की खाणी रै।।

आस पास और दुनिया मैं कैसे यह संसार चलै
कुदरत और जनता को कैसे यो धनवान छलै
इस धनवान लुटेरे की कोन्या चाल पिछाणी रै।।

चल चल पूंजी खावैगी या म्हारे पूरे ही समाज नै
धरती का संकट बढ़ाया सै इसके तेज मिजाज नै
विकास टिकाऊ बचा सकता म्हारी सबकी हाणी रै।।

कविता | **विजय सिंह सिवाच**

गजब का हरियाणा

देख्या म्हारा गजब का हरियाणा।
आपसी प्रेम घणा, दूध दही का खाणा ।।

हरियाणा नाम इसका न्यू पड़्या मेरे भाई।
खुद श्री कृष्ण जी ने, यहां गीता आण सुणाई।।
हरे भरे जंगल यहां, सदा हरियाली छाई।
ग ऊ माता के दूध की यहां, नदिया बहती पाई।।
म्हारा मुख्य काम बताया अन्न का उपजाणा।
आपसी प्रेम घणा,और दूध दही का खाणा...

सब धर्मों के लोग यहां, सबकी ऊंची शान।
36 जात रहें प्रेम से,सबका होता मान सम्मान।।
सादे भोले लोग यहां के, कृषि इनका मुख्य काम।
अनजान को भी भाई कहकर,करते उसका मान।।
पहले छेड़ें नहीं फिर छोड़ें नहीं,योहे प्रण निभाणा
आपसी प्रेम घणा,और दूध दही का खाणा...

खेलों में भी हरियाणे नैं, ऊंचा नाम कमाया।
साक्षी और फोगाट बहनों ने, भारत भाल चमकाया ।।
हवा सिंह जी, विजेंद्र सिंह ने बॉक्सिंग में नाम कमाया।
अनगिनत खिलाड़ी हरियाणा के, मैं लिख नहीं पाया।।
सादर नमन उन खिलाड़ियों को,जिन्होंने चमकाया हरियाणा।
आपसी प्रेम घणा और दूध दही का खाणा...

राजनीति में भी हरियाणा नहीं, पीछे नाम कमाने में।
छोटू राम मशहूर हुए फिर छोटा राम कहलाने में।।
देवी लाल मशहूर हुए ,लोकराज चलाने में।
बंशीलाल मशहूर हुए,विकास के पैमाने में।।
प्रोफेसर शेर सिंह के प्रयासों से, 1966 में बणा हरियाणा।
आपसी प्रेम घणा और दूध दही का खाणा...

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

पारंपरिक तकनीक | **ब्रिटिश शासन के समय 1890 के दशक में स्थापित की गई यह चक्की आज भी कार्यशील**

अनमोल धरोहर है फतेहपुर-पूंडरी की पनचक्की

जीवनशैली | **डॉ. सत्यवान सौरभ**

कैथल जिले के पूंडरी क्षेत्र में स्थित फतेहपुर गांव की पानी से चलने वाली आटा चक्की न केवल स्थानीय ग्रामीण समुदाय के लिए बल्कि पूरे राज्य के लिए ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है। यह चक्की ब्रिटिश शासन के समय, लगभग 1890 के दशक में स्थापित की गई थी और आज भी कार्यशील स्थिति में है। इसे हरियाणा की एकमात्र जलचालित आटा चक्की के रूप में जाना जाता है, जो पर्यावरण के अनुकूल और पारंपरिक तकनीक का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करती है।

करीब 127 साल पुरानी यह पनचक्की अंग्रेजों ने 1890 के आसपास बनवाई थी। आज भी यह चक्की पूरी तरह चालू है और लोग इसका पिसा हुआ आटा खाते हैं। इसकी खासियत यह है कि यहाँ पिसा आटा बिल्कुल ठंडा रहता है और वातावरण भी पूरी तरह प्राकृतिक है। यह भारत की सबसे पुरानी चालू पनचक्कियों में से एक मानी जाती है। यह चक्की फतेहपुर से नैना-धौंस रोड पर सरसा ब्रांच नहर पर बनी है। नहर का पानी लोहे के बड़े-बड़े पंखों पर गिरता है, जिससे वे घूमते हैं और चक्की चलती है। यहाँ पाँच चक्कियाँ लगी हुई हैं जो एक घंटे में लगभग 200 किलोग्राम गेहूँ की पिसाई कर सकती हैं। खास बात यह है कि यहाँ वजन तौलने के लिए कोई कांटा नहीं रखा गया। लोग स्वयं गेहूँ डालते हैं और पिसाई के बाद आटा अपने कट्टे में भर लेते हैं। फतेहपुर, पूंडरी, नैना, धौंस, काकौत समेत कई गाँवों के लोग यहाँ पिसाई करवाने आते हैं। पानी की इस चक्की की विशेषता यह है कि यह जल की ऊर्जा का उपयोग करके अनाज पीसने का कार्य करती है। बिजली या किसी अन्य ऊर्जा स्रोत की आवश्यकता नहीं पड़ती। जलचक्की की यह पारंपरिक तकनीक केवल ऊर्जा की बचत ही नहीं करती, बल्कि यह ग्रामीण क्षेत्रों में प्राचीन कृषि और औद्योगिक ज्ञान को जीवित रखती है। इससे यह स्पष्ट होता है कि पुराने समय में लोग

प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करके किस प्रकार तकनीकी समस्याओं का समाधान करते थे। फतेहपुर की जलचालित आटा चक्की न केवल आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह स्थानीय लोगों के लिए रोजगार का भी एक प्रमुख स्रोत रही है। इस चक्की के माध्यम से ग्रामीण समुदाय पारंपरिक जीवनशैली और प्राकृतिक संसाधनों के संतुलन को बनाए रखता है। जलचालित आटा चक्की पर्यावरण की दृष्टि से भी बेहद उपयोगी है। बिजली पर निर्भर न होने के कारण यह ऊर्जा की बचत करती है और प्रदूषण कम करती है। यह दिखाती है कि पुराने समय में पारंपरिक तकनीकें कितनी प्रभावी और टिकाऊ होती थीं। आज के युग में जब बिजली और मशीनों पर अधिक निर्भरता बढ़ गई है, इस चक्की का उदाहरण हमें प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग सिखाता है। इस चक्की की संरचना और कार्यप्रणाली भी काफी रोचक है। इसमें पानी की धारा से एक पत्थर या चक्की घूमती है, जो अनाज को पीसने का काम करती है। यह तकनीक इतनी प्रभावशाली थी कि इसे आज भी कई अन्य आधुनिक उपकरणों के मुकाबले स्थायी और विश्वसनीय माना जाता है। स्थानीय लोग इसे बड़ी श्रद्धा और गर्व के साथ संचालित करते हैं। फतेहपुर की जलचक्की केवल एक औद्योगिक उपकरण नहीं है, बल्कि यह सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। यह हरियाणा की परंपराओं, तकनीकी ज्ञान और ग्रामीण जीवन की कहानियों को जीवित रखती है। इस चक्की के माध्यम से युवा पीढ़ी अपने पूर्वजों के जीवन और उनकी मेहनत और साधनों को समझ सकते हैं। सरकार और स्थानीय प्रशासन ने भी इस जलचक्की के महत्व को समझते हुए इसे संरक्षित करने और प्रचारित करने की दिशा में कई पहल की हैं। पर्यटक और शोधकर्ता इस चक्की का अनुभव लेने फतेहपुर आते हैं और इसकी तकनीक, इतिहास और सामाजिक महत्व को समझते हैं। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी लाभ होता है। जलचक्की का महत्व केवल ऐतिहासिक या आर्थिक नहीं है। यह हमें पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ जीवनशैली का संदेश देती है। जब प्राकृतिक संसाधनों का सही और संतुलित उपयोग किया जाता है, तो समाज को स्थायित्व और सुरक्षा मिलती है। फतेहपुर की यह जलचक्की इस दृष्टिकोण का जीता-जागता उदाहरण है। आज के युग में जब मशीन और बिजली पर निर्भरता बढ़ गई है, पारंपरिक जलचक्कियों का महत्व और भी बढ़ गया है। यह न केवल हमारी सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित रखती हैं, बल्कि हमें प्राकृतिक संसाधनों के महत्व और पर्यावरण के प्रति जागरूक भी करती हैं। फतेहपुर की यह चक्की युवाओं के लिए शिक्षा और शोध का भी माध्यम बन सकती है। अंततः, फतेहपुर, पूंडरी की जलचालित आटा चक्की न केवल ऐतिहासिक धरोहर है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण, ग्रामीण रोजगार और पारंपरिक तकनीकी ज्ञान का महत्वपूर्ण प्रतीक भी है। इसे संरक्षित करना और आने वाली पीढ़ियों को इसके महत्व के बारे में जागरूक करना हर नागरिक और प्रशासन की जिम्मेदारी है।

समय के साथ खुद में बदलाव लाएं आरजे : आनंद शर्मा

कलाकार | **डा. तबस्सुम जहां**

आकाशवाणी हम सबको बचपन से ही लुभाता रहा है। ख़ूबसूरत और दिलकश आवाज़ों का यह तिलस्मी संसार सबको एक जादुई मोहपाश में बांध लेता है। वर्तमान आधुनिक दौर में मनोरंजन के तमाम संसाधन होने के बावजूद आज भी आकाशवाणी का नाम जहन में आते ही बहुत ही ख़ूबसूरत-सी आवाजें हमारे कानों में गूंजने लगती हैं और इसीलिए आज हम आपको परिचित करा रहे हैं आवाज़ की ऐसी ही खूबसूरत दुनिया से। बहुत ही शानदार व्यक्तित्व के धनी आनंद शर्मा जो अपनी बेहद ख़ूबसूरत आवाज़, दिलकश अंदाज और बेहतरीन प्रस्तुति के जरिए हरियाणा के तमाम लोगों के दिलों में बसते हैं।

आज भी जब आकाशवाणी हिसार से उनकी आवाज़ गूंजती है तो केवल युवा पीढ़ी की ही नहीं बल्कि हर उम्र के लोगों की पसंद होती है। पिछले दो दशक से इस क्षेत्र रेडियो जॉकी (आरजे) से जुड़े आनंद न केवल आकाशवाणी बल्कि रेडियो मंत्रा (वर्तमान में रेडियो सिटी) जैसे मंचों से जुड़े रहे हैं। ख़ास बात यह है कि वे साहित्य की संवेदना से भी जुड़े हैं। यही कारण है कि उनके आकाशवाणी के कार्यक्रमों में नित नवीनता मिलती है। आनंद शर्मा का जन्म करनाल (हरियाणा) में हुआ और इन्होंने एमएससी और बीएड तक शिक्षा पाई है। आकाशवाणी में अपने 20 साल के करियर में शायद ही ऐसी कोई उपलब्धि हो जो इन्हें न मिली हो। अपने कार्यकाल में इन्होंने रेडियो से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण फीचर्स, रेडियो साक्षात्कार, रेडियो शोज़, आदि किए हैं। आनंद शर्मा हरियाणा के पहले ऐसे आरजे हैं जो रेडियो मंत्रा हिसार , रेडियो मंत्रा करनाल और आकाशवाणी हिसार मॉर्निंग की लॉन्चिंग वॉइस रहे हैं। साहित्य की बात करें तो इनकी कविताएं हरियाणा से निकल कर दिल्ली, यू पी, मध्यप्रदेश, मुंबई और ब्रिटेन व अमेरिका तक की पत्र-पत्रिकाओं में छप चुकी हैं। स्वयं उनके शब्दों में- 'यूँ तो मेरी आवाज़ ईश्वरीय देन है लेकिन मैं अपनी आवाज का थोड़ा ध्यान तो रखता हूँ , थोड़ी सी ब्रीदिंग एक्सरसाइज करता हूँ और कुछ खास नहीं।' इन्होंने जब से होश संभाला तब से ही रेडियो को हमेशा अपने घर में सुना क्योंकि उनके पिता जी रेडियो और संगीत के बहुत शौकीन थे। बचपन से ही उनके अवचेतन मन में ये बात बैठ गई कि वह भी एक दिन रेडियो में बोलेंगे। उसी का परिणाम है कि वह आरजे बन गए। आरजे के रूप में करियर की संभावनाओं दके बारे में उनका कहना है कि ये युग संचार का है और यदि आप प्रभावी ढंग से अपनी बात कहने में सक्षम हैं तो आप को काम की कोई कमी नहीं है। जैसाकि हम जानते हैं कि वर्तमान में आकाशवाणी का पुरातन तिलस्मी दौर लगभग मृतप्रायः हो चुका है। एक समय तो यह गायब ही हो गया था प्राइवेट चैनल के द्वारा रेडियो की पुनः वापसी हुई लेकिन इसे आकाशवाणी की वापसी तो नहीं कहा जा सकता। उक्त संदर्भ में आनंद शर्मा को लगता है कि आकाशवाणी जड़ है, पेड़ है और प्राइवेट एफ़एम उसके पुष्प , जो अलग रंग के हो सकते हैं , मौसम आने पर महक सकते हैं किंतु पुष्प का अस्तित्व जड़ और तने के बिना असंभव है। आनंद शर्मा मानते हैं कि एक आरजे जब भीतर बैठ कर अपना कार्यक्रम कर रहा होता है उस समय आपको या एक श्रोता को लग सकता है कि हमारे सामने कोई चेहरा नहीं होता लेकिन इसे ऐसा मानिए कि हम लोग असल में आप से ही बात कर रहे होते हैं तो वो एकालाप नहीं अपितु वार्तालाप ही होता है । आनंद शर्मा ने बताया कि आवाज़ की दुनिया से जुड़े लोग कहते हैं कि रेडियो एक नशा है। इसमें आर्थिक तौर पर इतना लाभ नहीं है। वह कहते हैं कि बेशक! वह भी इस नशे से ग्रस्त हैं, और शायद उनके लिए ये नशा लाइलाज हो चुका है और नशे में नफ़ा नुकसान नहीं देखा जाता।

उनका यह भी मानना है कि इसमें आर्थिक लाभ नहीं है तो ऐसा भी नहीं है, आजकल एक आरजे अच्छा पैसा कमा सकता है बशर्ते वो समय के साथ खुद को बदलने को तैयार हो। आकाशवाणी को सतत जिंदा रखना है तो इसमें किस प्रकार का आधुनिकीकरण किया जा सकता है? के सवाल पर आनंद शर्मा ने बताया कि बदलाव जरूरी है और चाहे व्यक्ति विशेष हो या कोई संस्था। आकाशवाणी ने भी खुद को बदला है और सतत प्रयास भी कर रहा है किंतु कभी मूल्यों से समझौता नहीं किया। आकाशवाणी का जन्म

किसी रेस में जीतने के लिए नहीं हुआ अपितु लोगों की भलाई और मनोरंजन के लिए हुआ है जो अधिक महत्वपूर्ण है। आनंद शर्मा के अनुसार आकाशवाणी भाषा की शुद्धता पर बड़ा ध्यान देता है। एक समय था कि इसके बताए समय से लोग अपनी घड़ियों का समय मैच करते थे। ख़बरों के मामले में भी दूरदर्शन और आकाशवाणी इतना विश्वसनीय रहा है। भाषा की शुद्धता और समय को लेकर आकाशवाणी आज भी विश्वसनीय है। जहां तक खबरों की बात है सच कभी सबको प्रिय नहीं हो सकता। आलोचना और असहमति उसका अभिन्न अंग है। आज जिस तेज़ी से हरेक क्षेत्र में अंग्रेज़ी भाषा का प्रचलन बढ़ा है ऐसे में आकाशवाणी हिंदी को बचाने के लिए किस प्रकार भूमिका निभा सकता है? इस सवाल पर उन्होंने दो टूक कहा कि अंग्रेज़ी का प्रचलन बढ़ने से हिंदी को बचाने जैसी बात कैसे पैदा हो सकती है? मैं नहीं समझता। चंद्रमा की चांदनी से सूरज के अस्तित्व को खतरा कैसे हो सकता है? दोनों की अपनी जगह है, अपना महत्व है। जहां तक आकाशवाणी का प्रश्न है तो वो वह एक संस्कारी पुत्र की तरह हिंदी की सेवा कर रहा है । वर्तमान पीढ़ी आकाशवाणी को सुनती नहीं है लेकिन यह लोग इससे जुड़ने के तो इच्छुक रहते ही हैं तो इसमें चयनित होने की प्रक्रिया क्या रहती है? इस प्रश्न पर असहमति जताते हुए आंनद शर्मा ने बताया कि लोग सुनते हैं तभी तो जुड़ना चाहते हैं। आकाशवाणी से जुड़ने के इच्छुक अभ्यार्थी आकाशवाणी की स्वर परीक्षा में हिस्सा लेकर एक साक्षात्कार के उपरांत आकाशवाणी परिवार का हिस्सा बन सकते हैं।

आवाज़ की दुनिया में आनंद शर्मा अमीन सयानी को अपना गुरु मानते हैं। वह बताते हैं कि यदि आप हिंदी के आरजे हैं तो बेशक आपका सपना होता है कि आप अमीन सयानी जैसी प्रतिभा अर्जित कर सकें। किंतु यदि प्राइवेट एफ़एम की बात करें तो आरजे नितिन से उन्होंने बहुत सीखा है। आनंद शर्मा ने प्राइवेट चैनल और सरकारी संस्थान दोनों जगह काम किया है। दोनों में वह प्रोग्राम करते समय कुछ ज्यादा फ़र्क नहीं पाते हैं। उनके अनुसार एक बार जब आप स्टूडियो में प्रवेश करते हैं कंसोल पर फेडर को उठाने के बाद जब बोलना शुरू करते हैं तो यकीन मानिए इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि वो सरकारी चैनल है या प्राइवेट।

आवाज़ की दुनिया के लोग अक्सर मंच संचालन में देखे गए हैं क्या आप भी इस क्षेत्र में जाना चाहेंगे? इस प्रश्न पर मुस्कुराते हुए उन्होंने कहा कि मैं नए अवसरों को लेकर हमेशा ही उत्साहित रहता हूँ। यदि अवसर मिला तो जरूर आप जल्द ही मुझे किसी मंच पर देखेंगे।

आरजे या प्रस्तोता को पाठक होना ही चाहिए

आनंद शर्मा एक मशहूर कवि भी हैं और साहित्य और दर्शन के अच्छे ज्ञाता भी। उनका मानना है कि साहित्य पठन पाठन और आरजे की भूमिका आपस में गुंथी हुई हैं। एक आरजे या प्रस्तोता को पाठक होना ही चाहिए। असल में जैसा हम पढ़ते हैं, वैसे ही हम प्रस्तोता होते हैं और ये आप किसी भी आरजे को सुनकर सुनिश्चित कर सकते हैं। आनंद शर्मा लेखन के क्षेत्र में कैसे आए ? इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि लेखन के क्षेत्र में आना एक घटना थी जो कुछ समय पहले ही घटी, शायद दो साल पहले। यकायक विचार भावों का रूप लेकर कविता के तौर पर उभरे और कविता यात्रा आरंभ हो गई।

खबर संक्षेप

समिति ने 55 प्रतिभावान बच्चों को किया सम्मानित

बावल। मेघवाल उत्थान समिति की ओर से रविवार को बावल में प्रथम प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को प्रोत्साहित करना और समाज सेवा के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। मुख्य अतिथि पूर्व जिला उप प्रमुख सरताज तथा विशिष्ट अतिथि एडवोकेट सरिता, केला देवी व बनारसी ने प्रतिभावन बच्चों को सम्मानित किया। समिति के सचिव भूपेन्द्र शेखपुर व सचिन कुमार ने मंच संचालन किया। अतिथियों ने महिलाओं और बच्चों को समाज सेवा व शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। समारोह में 55 प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित किया गया।

केवाईसी अपडेट कराने वाली कॉल से रहे सावधान

रेवाड़ी। जिला पुलिस ने साइबर अपराध पर अंकुश लगाने व आमजन को जागरूक करने के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे केवाईसी अपडेट करने के नाम पर हो रही साइबर ठगी से सावधान रहें। साइबर ठग अपराध करने के नए-नए तरीके अपनाकर लोगों के साथ ठगी की वारदातों को अंजाम दे रहे है। साइबर ठग अब केवाईसी अपडेट के नाम पर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे है। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि साइबर ठग स्वयं को बैंक अधिकारी के रूप में प्रस्तुत करते है और फर्जी एसएमएस, कॉल या ई-मेल करके कहते है कि यदि आपने अभी केवाईसी अपडेट नहीं कराया तो आपका खाता ब्लॉक हो जाएगा। साइबर ठग केवाईसी अपडेट के बहाने लोगों से बैंक, यूपीआई और वॉलेट खातों की संवेदनशील जानकारी लेते है।

रेवाड़ी। प्रतियोगिता में मेडल लेते हुए लावण्या।

लावण्या ने ताइक्वांडों प्रतियोगिता में जीता स्वर्ण

रेवाड़ी। दिल्ली रोड पुलिस लाइन स्थित डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल की कक्षा 12वीं की छात्रा लावण्या ने ताइक्वांडो में स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। छात्रा की इस उपलब्धि से पूरे विद्यालय में खुशी की लहर है। स्कूल के प्रधानाचार्य जॉय बैनर्जी व स्टाफ सदस्यों ने इस उपलब्धि पर लावण्या सहित कोच दीपक राव व अभिभावकों को बधाई दी। अब लावण्या राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेगी।

एक्सप्रेस ट्रेनों में 1 अक्टूबर से 4 नवंबर तक मिलेगी डिब्बों की सुविधा

यात्रियों की सुविधा के लिए त्योहारी सीजन में 27 जोड़ी ट्रेनों में 92 डिब्बों की बढ़ोतरी

उत्तर पश्चिम रेलवे के सीपीआरओ ने बताया कि त्योहारों पर यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए सुविधा दी जा रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। रेवाड़ी रेलमार्ग से गुजरती एक्सप्रेस ट्रेन। फोटो : हरिभूमि

रेलवे की ओर से त्योहारी सीजन में अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए हरियाणा के रास्ते गुजरने वाली 27 जोड़ी रेलसेवाओं में विभिन्न श्रेणी के 92 डिब्बों की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है। उत्तर पश्चिम रेलवे के सीपीआरओ शशि किरण ने बताया कि एक अक्टूबर से 4 नवंबर तक ट्रेनों में अतिरिक्त डिब्बों की सुविधा दी जा रही है। गाड़ी संख्या 19611/19614 अजमेर-अमृतसर-अजमेर रेलसेवा में अजमेर से एक अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक तथा अमृतसर से 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक 1 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 19613/19612 अजमेर-अमृतसर-अजमेर रेलसेवा में अजमेर से दिनांक एक अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक तथा अमृतसर से 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक 1 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 09621/09622 अजमेर-बान्द्रा टर्मिनस-अजमेर रेलसेवा में अजमेर से 5 अक्टूबर से 26 अक्टूबर तक एवं बान्द्रा टर्मिनस से 6 अक्टूबर से 27 अक्टूबर तक 1 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है।

मदार-रेवाड़ी ट्रेन में पांच डिब्बों की बढ़ोतरी

गाड़ी संख्या 12985/12986 जयपुर-दिल्ली सराय-जयपुर डबल डेÑकर रेलसेवा एक अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक 1 एक्जिक्यूटिव कुर्सीयान श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 14731/14732 दिल्ली-बठिण्डा-दिल्ली एक्सप्रेस रेलसेवा में दिल्ली से एक अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक एवं बठिण्डा से दिनांक 2 अक्टूबर से एक नवंबर तक 1 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 04717/04718, हिसार-तिरूपति-हिसार स्पेशल रेलसेवा में हिसार से 4 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक एवं तिरूपति से 6 अक्टूबर से 27 27 अक्टूबर तक 1 थर्ड एसी श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 19617/19618 मदार-रेवाड़ी-मदार रेलसेवा में एक अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक 5 द्वितीय साधारण श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 19620/19619 रेवाड़ी-फुलेरा-रेवाड़ी रेलसेवा में एक अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक 5 द्वितीय साधारण श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 59632/59631 रेवाड़ी-हिसार-रेवाड़ी रेलसेवा में एक अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक मिलेगा फायदा।

अजमेर-दिल्ली सराय रोहिल्ला में बढ़ाए डिब्बे

गाड़ी संख्या 19608/19607 मदार-कोलकाता-मदार एक्सप्रेस में मदार से 6 अक्टूबर से 27 अक्टूबर तक एवं कोलकाता से 9 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक 1 सैकेंड एसी श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 12065/12066 अजमेर-दिल्ली सराय रोहिल्ला-अजमेर जन शताब्दी रेलसेवा में एक अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक 2 वातानुकुलित कुर्सीयान व 1 द्वितीय कुर्सीयान श्रेणी डिब्बे, गाडी संख्या 19701/19702 जयपुर-दिल्ली कैंट-जयपुर रेलसेवा में जयपुर से एक अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक तथा दिल्ली कैंट से 3 अक्टूबर से 2 नवंबर तक 1 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 14717/14718 बीकानेर-हरिद्वार-बीकानेर रेलसेवा में बीकानेर से एक अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक एवं हरिद्वार से 2 अक्टूबर से एक नवंबर तक 1 थर्ड एसी व 1 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे, गाड़ी संख्या 14735/14736 श्रीगंगानगर-अंबाला-श्रीगंगानगर एक्सप्रेस रेलसेवा में एक अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक 5 साधारण श्रेणी डिब्बे बढ़ाए गए हैं।

शहीद भगत सिंह की जयंती पर कार्यक्रम

शहीद भगत सिंह के जीवन से प्रेरणा लें युवा: शेर सिंह

रेवाड़ी। शहीद भगत सिंह को श्रृद्धांजलि अर्पित करते संगठन के सदस्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धारूहेड़ा

शहीद भगत सिंह की 118वीं जयंती पर रविवार को धारूहेड़ा स्थित भगत सिंह चौक पर युवा संगठन डीवाईओ व व अन्य नागरिकों की ओर से प्रतिमा पर माल्यार्पण करके श्रद्धाजंलि अर्पित की गई। इस अवसर पर डीवाईओ के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं सामाजिक कार्यकर्ता शेर सिंह ने बताया कि शहीद भगत सिंह का जन्म 28 सितंबर 1907 पंजाब के बंगा गांव में हुआ था। शहीद भगतसिंह व उनका दल देश से अंग्रेजी शासन को समाप्त करके एक ऐसी शासन व्यवस्था स्थापित करना चाहते थे, जिसमें एक मनुष्य दूसरे मनुष्य का शोषण न कर सकें, परन्तु शोषण मुक्त समाज बनाने का उनका सपना पूरा नहीं हुआ। 23 मार्च 1931 को भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव तीनों क्रांतिकारियों को अग्रेंजों ने फांसी दे दी। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि शहीद भगत सिंह के जीवन चरित्र से प्रेरणा लेकर समाज परिवर्तन के काम में आगे आए। युवा सगंठन के धारूहेड़ा ब्लॉक अध्यक्ष संदीप कुमार ने कहा कि शहीद भगत सिंह मात्र 23 साल की उम्र में ही देश के लिए कुर्बान हो गए थे।

मौजूद रहे

इस मौके पर अजय जागंडा वाइस चेयरमैन नगरपालिका, राज कुमार पार्षद, पूर्व सैनिक इन्द्रराज शौर्य, शीशपाल, एडवोकेट लोकेश कुमार, मीना व तेज सिंह शौर्य सहित अनेक नागरिक उपस्थित थे।

भगत सिंह युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत: जुनेजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में अतिथियों का सम्मान करते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

हमारा परिवार संस्था की ओर से रविवार को पंजाबी धर्मशाला में शहीद भगतसिंह की जयंती पर प्रेरणादायक कार्यक्रम शहीद-ए-आजम भगतसिंह के सपनों का भारत का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के प्रांत अध्यक्ष डा. आरबी यादव, गुरूद्वारा गुरु नानक देव सिंह सभा बारा हजारी के प्रधान सरदार प्रीतपाल सिंह विग व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि 28 सितंबर 1907 को लायलपुर के बंगा गांव में शहीद भगत सिंह का जन्म हुआ। इनके जन्म लेते ही इनके पिता और चाचा को ब्रिटिश सरकार ने जेल से रिहा कर दिया।

भगत सिंह मौत का बदला सांडर्स को मार कर लिया

परिवार वालों ने इस तेजस्वी बालक का नाम भागों वाला रख दिया। बाद में उनके घर वाले इन्हें भगत सिंह के नाम से पुकारने लगे। लाहौर में साइमन कमीशन का बायकॉट करने के लिए लाला लाजपत राय के नेतृत्व में विशाल संख्या में लोग पहुंचे। ब्रिटिश सरकार ने इनका दमन करने के लिए इन पर अंधाधुंध लाठियां बरसाई, जिससे पंजाब केसरी लाला लाजपत राय शहीद हो गए। भगत सिंह व उनके साथियों ने लाला जी की मौत का बदला सांडर्स को मार कर लिया। संस्था के प्रधान अरुण गुप्ता, समाजसेवी पुलकित ग्रोवर, उप प्रधान कुलदीप सोनी व डा. बलबीर अग्रवाल ने कहा कि शहीद भगत सिंह एक महान विचारक थे। वे राष्ट्र सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते थे। समाज में जाति-पाति, ऊंच-नीच के भेदभाव के वो सख्त विरोधी थे। उनके जेहन में स्पष्ट था कि भारतवासी संगठित होकर प्रयास करेंगे तो देश तेजी से आगे बढ़ेगा।

मौजूद रहे

कार्यक्रम में समाजसेवी राजेंद्र गेरा, डा. देवेंद्र, किशोरी नंदवानी, प्रीति कपूर, पूर्वांशी, ओजस्वी, कपिल कपूर, सोनिया कपूर, सुनीता, प्रफुल्ल श्याम, हिमांशु, जूही, राहुल व केएल कोहली सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

दिल्ली पुलिस परिवार ने स्व. एसआई बलवंत यादव के परिवार को दी आर्थिक सहायता

- बलवंत यादव की स्मृति में 5 बरगद और पीपल के पौधे लगाकर श्रद्धांजलि अर्पित की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। स्व. बलवंत यादव के परिवार को सहायतार्थ राशि भेंट करते हुए पुलिस परिवार।

दिल्ली पुलिस परिवार ने रविवार को स्व. सब इंस्पेक्टर बलवंत यादव के परिवार के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए आर्थिक सहायता राशि प्रदान की। एसकेपीपी के सदस्यों ने बलवंत यादव के पैतृक गांव जीतपुरा में परिवार को पच्चीस लाख सैंतीस हजार एक सौ पचास रुपयेकी सहायता राशि सौंपी तथा बलवंत यादव की स्मृति में 5 बरगद और पीपल के पौधे लगाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री कृष्ण पुलिस परिवार से इंस्पेक्टर सज्जन यादव, इंस्पेक्टर कृष्ण यादव, इंस्पेक्टर धर्मेंद्र यादव तथा एएसआई कृष्ण यादव ने दिवंगत की माता कृष्णा देवी, धर्मपत्नी स्वर्णलता यादव और सुपुत्र निशांत यादव को हर संभव सहयोग का आश्वासन भी दिया। एसकेपीपी से रिटायर्ड इंस्पेक्टर रामपाल यादव, एसआई विशाल यादव, मीना यादव, सरला यादव, संतोष यादव, एएसआई राजेश यादव, एससी राजेश यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर अनिल यादव बाबू शोभाराम गवर्नमेंट कॉलेज अलवर, सेवानिवृत्त एसआई पुरुषोत्तम यादव राज. पुलिस, सरपंच बीना देवी आदि मौजूद रहे।

गोरक्षक सोनू सरपंच गोशाला सेवा संघ की बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

काली माता मंदिर संत धाम बलभद्र सराय में संतों के मार्गदर्शन से गो रक्षक सोनू सरपंच गोशाला सेवा संघ का गठन किया गया। रविवार को शहीद भगत सिंह की जयंती पर गोरक्षक सोनू सरपंच गोशाला सेवा संघ की बैठक अरुण कौशिक जिलाध्यक्ष गोशाला संघ समिति नारनौल की अध्यक्षता में हुई। राजकुमार यादव ने संघ के कार्य क्षेत्र, कार्य प्रणाली, कार्य विस्तार व कार्य योजना की रूपरेखा पेश की। उन्होंने कहा कि गोशाला सेवा संघए का मुख्य उद्देश्य गोहत्या पर प्रतिबंध लगाने, गोरक्षकों का मान सम्मान,गोवंश को पौष्टिक आहार दिलाने, बेसहारा गोवंश के रहने व सेवा के लिए उचित स्थान व सुरक्षा तथा गोमाता के महत्व के लिए प्रचार प्रसार के लिए कार्यशालाओं, कॉरपोरेट सेमिनार, गोमाताओं पर आधारित निबंध व प्रतियोगिता का आयोजन करना है।

शहीद राजबीर सिंह अपने परिवार व गांव ही नहीं, अपितु पूरे देश का गौरव: लक्ष्मण

- विधायक लक्ष्मण सिंह ने जाट सायरवास में शहीद राजबीर सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। जाट सायरवास में शहीद राजबीर सिंह की प्रतिमा का अनावरण करते विधायक।

विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने कहा कि शहीदों की बदौलत ही आज हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं। शहीद किसी जाति या कौम के नहीं, अपितु सभी के लिए पूजनीय हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार सैनिकों तथा उनके आश्रितों को पूर्ण मान-सम्मान देने का कार्य कर रही है। भाजपा सरकार ने वन रेंक-वन पेंशन जैसी सैनिकों की पुरानी मांगों को पूरा कर पूर्व सैनिकों के दिलों को जीतने का काम किया है। विधायक लक्ष्मण सिंह रविवार को गांव जाट सायरवास में अमर शहीद की प्रतिमा का अनावरण करने के उपरांत लोगों को संबोधित कर रहे थे। शिविर व स्वास्थ्य जांच शिविर का भी शुभारंभ किया।

सैनिकों तथा उनके आश्रितों के लिए अनेक योजनाएं

विधायक यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री तथा मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने सैनिकों तथा उनके आश्रितों को पूरा मान-सम्मान दिलाने के लिए अनेकों योजनाएं क्रियान्वित की हुई है। केंद्र सरकार ने सैनिकों को फ्री हैंड देकर उनके वास्तविक अधिकार देने का भी काम किया है। आज देश सैन्य शक्ति के रूप में बड़ी शक्ति के रूप में उभर रहा है। इस मौके पर आजाद सरपंच, अमृत सिंह, नितेश, रणबीर, कर्ण, रामनिवास बेनीवाल, रामेहर, महासिंह, मनीष, सुभाष, उत्तम सिंह, राजेंद्र, रामनिवास मास्टर, प्रोफेसर रामनिवास व विजय सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

महिलाओं को सेवा पखवाड़े में दी स्वस्थ जीवनशैली की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

रेवाड़ी। महिलाओं को जानकारी देते हुए विभाग की सुपरवाइजर।

महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से गांव तिहाड़ा में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत ग्रामीण महिलाओं को जागरूक करने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सुपरवाइजर सोनी ने महिलाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज की महिलाएं बढ़ते कामकाज के बोझ के चलते अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पा रही हैं, जिसके कारण लगातार उनके स्वास्थ्य में गिरावट देखी जा रही है। उन्होंने संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, मानसिक स्वास्थ्य और पर्याप्त नींद की महत्वता पर जानकारी दी। साथ ही स्वच्छता, स्वच्छ पेयजल के उपयोग और नशीली दवाओं से बचाव के महत्व पर भी प्रकाश डाला। सुपरवाइजर ने कहा कि महिलाओं का स्वस्थ रहना परिवार और समाज दोनों के लिए भी आवश्यक है। कार्यक्रम में महिलाओं ने एक पेड़ मां के नाम योजना के तहत पौधारोपण भी किया व उसकी देखभाल करने की शपथ ली। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुनीता, सहायिका निशा व पूनम सहित अनेक महिलाएं मौजूद थी।

महिलाओं का स्वस्थ रहना परिवार और समाज दोनों के लिए जरूरी

पाइप लाइन के कार्य का किया निरीक्षण

मसानी बैराज से झज्जर की ड्रेन आठ में डाला जाएगा पानी

रेवाड़ी। मसानी बैराज से ड्रेन-8 तक प्रस्तावित पाइपलाइन कार्य के लिए निरीक्षण करते मुख्य अभियंता एसके यादव। फोटो :हरिभूमि

रेवाड़ी। मसानी बैराज से झज्जर जिले की ड्रेन-8 में पानी डालने के लिए पाइप लाइन बिछाने का कार्य किया जाएगा। इसके लिए सिंचाई विभाग के मुख्य अभियंता एसके यादव ने रविवार को अधिकारियों के साथ जिले के विभिन्न स्थानों का दौरा किया। सिंचाई विभाग के मुख्य अभियंता एसके यादव ने कहा कि जनस्वास्थ्य एवं हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण विभाग की ओर से मसानी बैराज में छोड़े जा रहे पानी को अब सिंचाई विभाग द्वारा पाइप लाइन बिछाकर झज्जर जिले की ड्रेन-8 में डालने का कार्य किया जाएगा। इसके लिए पाइपलाइन बिछाने की प्रस्तावित रूपरेखा तैयार की जा रही है ताकि कार्य को शीघ्र पूर्ण कराया जा सके। उन्होंने बताया कि योजना के तहत लगभग 40 किलोमीटर लंबी पाइप लाइन डाली जाएगी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कार्य को गति प्रदान करने के लिए स्वयं मॉनिटरिंग कर रहे है। विधायक लक्ष्मण सिंह यादव भी इस कार्य को पूरा कराने में निरंतर विभागीय टीमों के संपर्क स्थापित कर रहे है।

घंटेश्वर महादेव मंदिर आदर्श रामलीला के मंच पर सत्यवादी राजा हरिश्चन्द्र के नाटक का मंचन

राजा हरिश्चन्द्र ने वचन निभाने के लिए पत्नी और पुत्र को बेचा

राजा हरिश्चन्द्र की सत्यवादिता के प्रभाव से इंद्र का सिंहासन डोलने लगा तो ऋषि विश्वामित्र ने परीक्षा ली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। घंटेश्वर मंदिर के मंच पर नाटक का मंचन करते कलाकार। व नाटक का शुभारंभ करते हुए अतिथिगण। फोटो : हरिभूमि

श्री घंटेश्वर महादेव मंदिर आदर्श रामलीला के मंच पर शनिवार रात्रि सत्यवादी राजा हरिश्चन्द्र के नाटक का मंचन किया गया। पूरे संसार में राजा हरिश्चन्द्र की सत्यवादिता के प्रभाव से इंद्र का सिंहासन डोलने लगा तो ऋषि विश्वामित्र ने राजा इंद्र देव को बताया कि अब वह दिन दूर नही जब राजा हरिश्चन्द्र का स्वर्ग पर भी राज होगा। ये बात सुनकर चिंतित हुए इन्द्र ने उपाय जानना चाहा तो विश्वामित्र ने इन्द्र के साथ मिलकर एक षडयंत्र रचा और उन्होंने अपनी माया से एक जोगन प्रगट की, जिसे राजा हरिश्चन्द्र के दरबार में गायन के लिए भेजा गया। जोगन ने जब राजा हरिश्चंद्र के दरबार में भजन सुनाया तो राजा इतने आनन्दित हुए कि उन्होंने जोगन को वर मांगने के लिए बोला। जोगन ने हरिश्चंद्र का राजपाट मांग लिया। विश्वामित्र के दखल के बाद राजा ने अपनी वेशभूषा सहित अपना राजपाट जोगन के हवाले कर दिया, फिर भी ढाई भार सोना शुल्क बकाया रह गया, जिसे चुकाने के लिए राजा हरिश्चन्द्र ने अपनी पत्नी तारामती व पुत्र रोहिताश्व को काशी के एक सेठ को बेचना पड़ा और स्वयं को श्मशान के एक चांडाल को सौंपना पड़ा। दुःखों का पहाड़ टूटने पर भी उन्होंने सत्य का दामन नहीं छोड़ा। यहां तक कि रोहित की जब सांप के डसने से मृत्यु हो जाती है तो भी वे तारामती से बिना शुल्क लिए उसका अंतिम संस्कार करने से मना का देते हैं। ऐसी परीक्षा की घड़ी में ऋषि विश्वामित्र प्रगट होते हैं और उनकी सत्यवादिता का लोहा मानते हुए, उनका राजपाट वापस उनके हवाले कर देते हैं। नाटक का शुभारंभ पार्षद राजेन्द्र सिंहल और राकेश गर्ग ने किया। समिति के प्रधान अनुकूल शर्मा, उप प्रधान श्याम गुप्ता, रमेश के सुगन्ध ने अतिथियों का स्वागत किया।

दर्शक मंत्रमुग्ध हुए

नाटक में दिल्ली से भारत भूषण कश्यप ने राजा हरिश्चन्द्र, गुरुग्राम से प्रेम प्रकाश शर्मा ने ऋषि विश्वामित्र, संजय सैनी ने तारामती, बाल कलाकार माधव पंवार ने रोहिताश्व, विजय पंवार ने इंद्र, भारत गुप्ता ने जोगन, डा. सुभाष ने काशी सेठ, अमित कश्यप ने सेठानी व ललित सैनी ने कॉमेडियन चेला नक्षत्र का अभिनय कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। कार्यक्रम में अशोक शर्मा, नानक गुप्ता, करण गुप्ता, मनीष, जय भूषण शर्मा, विकास गुप्ता, विजय पंवार, लोकेश गोयल, बाबू लाल, लाला राम, दीपक सैनी, काकी अग्रवाल, पवन गोयल, सुनील व नमन ने सहयोग दिया। इस मौके पर दर्शकों को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ व कन्या भ्रूण हत्या कभी भी न करने का संदेश दिया गया।

खबर संक्षेप

सड़क हादसे में वृद्धा की मौत, तीन घायल

कोसली। कनीना रोड पर झाल के निकट रविवार सुबह एक सियाज कार ट्रैक्टर ट्रॉली में घुस गई, जिससे कार में सवार वृद्धा की मौत हो गई। परिवार के तीन सदस्य इस हादसे में घायल हो गए। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद ट्रैक्टर चालक की तलाश शुरू कर दी।

महेंद्रगढ़ के खातोद निवासी कुलदीप अपने जीजा की सियाज कार लेकर अपनी दादी संतरा देवी, मां भतेरी और पिता राजकुमार को लेकर घर से गुरूग्राम जा रहा था। जब वह झाल गांव के पास पहुंचा तो आगे चल रहे ट्रैक्टर ट्रॉली के चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए। इससे कार ट्रॉली में घुस गई। चालक ट्रैक्टर से कार को काफी दूर तक घसीटता रहा। बाद में वह ट्रैक्टर छोड़कर मौके से भाग गया।

कोलाना में रात्रि ठहराव कार्यक्रम आज

रेवाड़ी। जिला प्रशासन की ओर से 29 सितंबर गांव कोलाना में रात्रि ठहराव कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। नगराधीश जितेन्द्र कुमार ने बताया कि डीसी व एसपी हेमेन्द्र कुमार मीणा रात्रि ठहराव के दौरान ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित करेंगे। कार्यक्रम के दौरान सार्वजनिक व व्यक्तिगत समस्याओं को सुनकर उनका समाधान किया जाएगा। सीटीएम ने बताया कि हरियाणा सरकार की जनहितकारी नीतियों की जानकारी देने के लिए विभागीय प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

ड्रामेटिक क्लब रामलीला में सामाजिक नाटक 'दुल्हन एक रात की' का मंचन

पति के मर जाने पर ससुराल वालों के तानों से तंग आकर शकुंतला ने जहर खाकर दी जान

खास बातें

- नाटक का उद्घाटन इतेन्द्र पाल यादव पूर्व पार्षद ने किया
- हरीश कुमार कार्यकारी चौकी इंजार्च कानौड गेट यादव नगर को सम्मानित किया गया

रेवाड़ी। दुल्हन एक रात की नाटक का मंचन करते कलाकार। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेलवे कॉलोनी में श्री राम मंदिर रेलवे ड्रामेटिक क्लब की ओर से चल रहे रामलीला उत्सव के मंच पर शनिवार रात्रि सामाजिक नाटक 'दुल्हन एक रात की' का मंचन किया गया। के के सक्सेना के निर्देशन में आयोजित नाटक का उद्घाटन इतेन्द्र पाल यादव पूर्व पार्षद ने किया तथा हरीश कुमार कार्यकारी चौकी इंजार्च कानौड गेट यादव नगर को सम्मानित किया गया।

कलाकारों ने नाटक में दिखाया कि पति मर जाने के बाद एक औरत की क्या स्थिति हो जाती हैं, खासतौर पर जब वह अपने स्व. पति के घर में रहती हैं। औरत के पास मरने के सिवा कोई चारा नहीं रहता हैं, क्योकि घर में वह एक बहू नहीं, बल्कि नौकरानी बनकर रह जाती हैं। नाटक में शकुंतला की शादी रतन के साथ होती हैं,लेकिन सुहागरात के दिन ही रतन का सड़क दुर्घटना में स्वर्गवास हो जाता हैं, जिसके लिए सास की ओर से बहू को दोषी ठहराया जाता हैं। सास शकुंतला को घर में नौकरों की तरह रखती हैं व बात-बात पर उसके मायके वालों को कोसती हैं, जोकि बहू को अच्छा नहीं लगता हैं।

सास के व्यवहार के खिलाफ दीनानाथ के भाई का लड़का जय चंपा चाची से शकुंतला के लिए लड़ने को तैयार रहता हैं, जो चंपा को पसंद नहीं आता हैं और एक दिन उसको घर छोड़ने को कह दिया जाता हैं। जय घर छोड़कर चला जाता हैं। उसी घर में कुंदन नौकर भी रहता हैं, जो शकुंतला के दुख-सुख में साथ देता हैं, जो चंपा को पसंद नहीं आता हैं।

शकुंतला का देवर जो दिमाग से कुछ कमजोर होता हैं और अपनी पत्नी को मायके से बुलाने के चक्कर में हमेशा अक्कल को मांगने के चक्कर में रहता हैं वह दर्शकों को हंसाने का काम करता हैं।

इन्होंने निभाया किरदार

नाटक में हीरा का अभिनय के के सक्सेना, शंकर-उमेश शर्मा, जय-घनश्यामदास शर्मा, शकुंतला-रजनी चंद्रा, कृष्णा-शिवानी, किशोर-मुकेश भारद्वाज, चंपा-सुनिधा, दीनानाथ-ब्रिजेश शर्मा, रतन-मोहित यादव व कुंदन का किरदार महेश शर्मा ने निभाया।

ननद कृष्णा भी भाभी को पसंद नहीं करती थी

शकुन्तला की ननद कृष्णा आधुनिक जमाने की लड़की हैं, वह भी अपनी भाभी को पसंद नहीं करती हैं, क्योकि शकुंतला को अपनी ननद का किशोर के साथ घूमना पसंद नहीं होता हैं, क्योकि किशोर कृष्णा के साथ-साथ शकुंतला पर भी बुरी लजर रखता हैं और एक दिन तो शकुंतला को पकड़ लेता हैं, जिस पर शकुंतला किशोर को कह देती हैं कि कोई उसकी इज्जत के साथ खेले वो उसको बर्दाश्त नहीं हैं। किशोर घर के सारे जेवर के साथ कृष्णा को स्टेशन पर बुला लेता हैं, लेकिन जय देख लेता हैं और उसको पकड़ कर घर ले आता हैं।

लड़की की अर्थी उसके पति के घर से ही उठती है

शकुंतला का ससुर दीनानाथ चंपा से जय को उसकी जमीन व मकान वापस करने के लिए कहता हैं, जोकि जय के पिता मरते समय दीनानाथ को दे गए थे, इस बात का चंपा को बुरा लगता हैं। शकुंतला का भाई शंकर जब अपनी बहन से मिलने आता हैं तो चंपा उसको भी बुरा-भला कहती हैं, जिस पर वह अपनी बहन को ले जाना चाहता हैं तो चंपा गमला उठाकर शंकर को मारना चहाती हैं, लेकिन गमला शकुंतला के सिर में लग जाता हैं, जिससे उसकी आंखों की रोशनी चली जाती हैं, जिसके बाद शकुंतला सास, ननद और किशोर से परेशान होकर जहर रखा लेती हैं और दोबारा से उसी सुहगिन के जोड़े में सज धजकर अपनी अर्थी पति के घर से उठवाती हैं कि कोई लड़की जब पति के घर आ जाती हैं तो उस की अर्थी ही उस घर से उठती हैं।

रेवाड़ी। खेलकूद प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागी अतिथियों के साथ।

प्रतियोगिता में हाई जंप में प्रिंस व छवि ने मारी बाजी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

खास बातें

- प्रिंस स्पोर्ट्स अकेडमी में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया
- अकेडमी की डायरेक्टर प्रभा यादव तथा एथलेटिक्स कोच सुरेंद्र यादव ने अतिथियों का स्वागत किया

विजय नगर सेक्टर-20 प्रिंस स्पोर्ट्स अकेडमी में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि राजकुमार चेयरमैन कतोपुरी, कविता यादव रेवाड़ी अध्यक्ष महिला मोर्चा, सुरेंद्र यादव मंडल अध्यक्ष जाटूसाना, निशांत यादव अध्यक्ष नई दिशा युवा मंच, सुनील सरपंच कोनसीवास व रामचंद्र एक्स नेवी ने प्रतियोगिता का शुभारंभ करके खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। सभी ने बच्चों के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए अकेडमी का नाम जिला व हरियाणा में रोशन करने के लिए प्रेरित किया। अकेडमी की डायरेक्टर प्रभा यादव तथा एथलेटिक्स कोच सुरेंद्र यादव ने अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर बच्चों के अभिभावक भी मौजूद थे। अतिथियों ने खेल प्रतियोगिता के विजेताओं को मेडल पहनाकर व मोमेंटों देकर सम्मानित किया।

ये रहे परिणाम

प्रतियोगिता की 1600 मीटर दौड़ में प्रिंस यादव ने प्रथम व सुग्रीव ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 800 मीटर दौड़ में नितिन ने पहला व छवि ने दूसरा, 400 मीटर दौड़ में योगेश ने प्रथम व रिंकू ने द्वितीय, वरिष्ठ वर्ग के हाई जंप में प्रिंस यादव ने प्रथम व जतिन ने द्वितीय तथा लॉन्ग जंप में जतिन ने प्रथम व पुनीत ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कनिष्ठ वर्ग के हाई जंप में छवि ने प्रथम व प्रीत ने द्वितीय स्थान हासिल किया। सभी विजेताओं और प्रतिभागियों ने शानदार प्रदर्शन किया और भविष्य में भी इसी तरह जिले और राज्य का नाम रोशन करने का संकल्प लिया।

वीर सैनिकों के सम्मान में ब्लड कैंप आयोजित, 250 यूनिट रक्त एकत्रित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

मोती चौक व्यापार संगठन व डेंटिस्ट एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को कानोड गेट स्थित निजी डेंटल क्लिनिक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मुख्यातिथि विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने दीप प्रज्ज्वलित करके शिविर का शुभारंभ किया। व्यापार संगठन के प्रधान पुरुषोत्तम दास कोसली वाले व डेंटल एसोसिएशन के प्रधान वसंत गुप्ता ने विधायक का स्वागत किया। दिल्ली कैंट सशस्त्र बल के वारंट ऑफिसर अरविंद शुक्ला के नेतृत्व में हवलदार तेलोंग एसएस व उनकी टीम ने शिविर का संचालन किया। शिविर में डॉक्टरों की टीम ने 250 यूनिट रक्त एकत्रित किया। मुख्यातिथि व आयोजकों ने रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

रेवाड़ी। रक्तदाता का उत्साहवर्धन करते हुए अतिथि व आयोजक। फोटो :हरिभूमि

रक्तदान के मौके पर ये रहे उपस्थित

इस मौके पर गोकल गेट बाजार के प्रधान विपिन अग्रवाल, ब्रास मार्केट के प्रधान नीरज गुप्ता, पोस्ट ऑफिस रोड के प्रधान सुधीर यादव, प्रधान सुभाष अग्रवाल, मीडिया प्रभारी दिनेश कपूर, जिला व्यापार संघ के समन्वयक अनिल अरनेजा, समाजसेवी रिपुदमन गुप्ता, मेटल मर्चेंट के प्रधान टोनी जिंदल, पार्षद राजेंद्र सिंघल, आर्य समाज रोड के प्रधान जितेंद्र अग्रवाल, रेलवे रोड के प्रधान मनीष चराया, काठमंडी संगठन के सचिव विकास गुप्ता, डा. एसपी यादव, डा. पवन गोयल, डा. राजेश मलिक, रमेश मित्तल, अमित स्वामी, हरीश सैनी, दीपक रूस्तगी, दिनेश गोयल, अरुण गुप्ता, परमजीत कालड़ा, चंद्र प्रकाश गुप्ता, अशोक सैनी, जसवंत राजपाल, श्रीधर गुप्ता, दिनेश अग्रवाल, विवेक गोयल, राजहंस गोयल, श्रद्धा गोयल, स्मृति गोयल, डा. भानु गुप्ता, प्रियंका यादव, डा. दिव्या अग्रवाल व बब्लू अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

रेवाड़ी। धारूहेड़ा में शहीद भगत सिंह को श्रृद्धांजलि अर्पित करते हुए लोग।

शहीद भगत सिंह का नाम देश के इतिहास में चमकते हुए लाल सितारे की तरह अमिटः कॉमरेड रमेश

धारूहेड़ा। आजादी आंदोलन के महान क्रांतिकारी योद्धा शहीद-ए-आजम भगत सिंह के 118वें जन्मदिवस पर शहीद भगत सिंह यादगार कमेटी धारूहेड़ा की ओर से भगत सिंह चौक स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण करके श्रृद्धांजलि दी गई।कमेटी के सलाहकार नगर परिषद के चेयरमैन कंवर सिंह यादव, अध्यक्ष सोशल एक्टिविस्ट कॉमरेड़ रमेश चन्द्र, अजय जांगड़ा उपचेयरमैन नगर पालिका, सचिव राकेश सैनी व पार्षद प्रतिनिधि राजकुमार ने शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस मौके पर पवन कुमार उर्फ मन्नू, प्रेम फौजी, प्रवीन प्रजापति, संदीप, पंकज सैनी, जतिन शौर्या, नक्श शौर्या, नवीन अग्निहोत्री, महावीर, दिनेश गौड़, अरुण त्यागी, पवन कुमार, प्रीतम शर्मा, सागर, जयप्रकाश यादव, रॉकी चौहान, सोनू बागोरिया, दीपक तिवारी, बलराम सैनी, इन्द्रराज, तेज सिंह शौर्या, राजेन्द्र प्रजापति, शीशपाल सैनी, श्रीभगवान, मुकेश सैनी, विकास, मनोज व दिनेश सैनी मौजूद थे। इस अवसर पर कमेटी के अध्यक्ष कॉमरेड़ रमेश चंद्र ने कहा कि देश में ऐसे महान क्रांतिकारी युवा ने जन्म लिया था, जिसने अपने संघर्ष व बलिदान से शोषण व जुल्म पर टिकी ब्रिटिश हुकूमत की नींव हिलाकर रख दी थी। वे समझौताहीन संघर्ष की धारा के सच्चे प्रतिनिधी थे। शहीद भगत सिंह का नाम देश के इतिहास में आकाश में चमकते हुए लाल सितारे की तरह अमिट है।

बावल में गांधी जयंती खेल महोत्सव का शुभारंभ, दो अक्टूबर को होगा समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बावल

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बावल में रविवार को 87वें गांधी जयंती खेल महोत्सव का शुभारंभ नगर पालिका बावल के चेयरमैन एडवोकेट वीरेंद्र महलावत ने किया। खेल महोत्सव का समापन 2 अक्टूबर को होगा। आयोजन समिति ने मुख्यातिथि का स्वागत किया। मुख्यातिथि ने आयोजन समिति के सदस्यों को साथ ध्वजारोहण कर खेल महोत्सव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर खिलाड़ियों ने मार्च पास्ट का प्रदर्शन किया। गांधी जयंती खेल महोत्सव, बावल क्षेत्र की एक गौरवशाली परंपरा है, जो कई दशकों से खेलों के माध्यम से युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए आयोजित की जा रही है।

रेवाड़ी। खेल महोत्सव के शुभारंभ पर खिलाड़ियों से परिचय करते मुख्यातिथि।

ये रहे उपस्थित

इस मौके पर नगर पालिका सचिव अनिल कुमार, उप प्रधान अर्जुन चोकन, पार्षद सुखबीर चौधरी, हरीश मेहंदीरत्ता, ब्रज सैनी पूर्व प्रधान सैनी सभा, हरिनारायण मीना राष्ट्रीय प्रधान मीना समाज, हंसराज कोच, मुकेश चौधरी, महेश रस्तोगी, लाजपत कौशिक, महेश रस्तोगी, खेमचंद जाट, नरेंद्र सैनी, अनिल चौधरी एडवोकेट, महाबीर सैनी पहलवान, हरिराम चौधरी, रतिराम सूबेदार,चौधरी सुल्तान सिंह, तुलसी दास जांगिड़, अमित नंबरदार, नकुल महलावत व सिद्धार्थ चौधरी सहित आयोजक समिति सदस्य, खिलाड़ी एवं ग्रामीण मौजूद थे।

ये बोले मुख्य अतिथि

इस मौके पर मुख्यातिथ एडवोकेट महलावत ने कहा कि खेल प्रतियोगिताओं के माध्यम से युवाओं में शारीरिक एवं मानसिक विकास की भावना उत्पन्न होती है। उन्होंने आयोजन समिति का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज को ऊर्जा और दिशा प्रदान करते हैं।

सीता व लक्ष्मण सहित वनवास गए श्रीराम, केवट ने कराई गंगा पार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

नई अनाजमंडी में श्री शिव रामलीला समिति की ओर से चल रही रामलीला में पांचवे दिन प्रभु श्रीराम का सीता सहित वन गमन से लेकर ननिहाल से अयोध्या में भरत की वापसी तक की रामलीला का मंचन किया गया। रामलीला में केवट ने प्रभु श्रीराम को गंगा पार कराई। श्रीराम व केवट के दृश्य को देखकर दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए तथा दथरथ के प्राण त्यागने के दृश्य ने सभी को भाव-विभोर किया। रामलीला समिति के प्रधान नवलकिशोर गुप्ता की अध्यक्षता व महासचिव दीपक मंगला के संयोजन में आयोजित रामलीला का शुभारंभ डा. आत्म प्रकाश यादव ने किया। मुख्य अतिथि ने दर्शकों को नशे से दूर रहने की शपथ भी दिलाई।

इन्होंने दिया सहयोग

मंच संचालन भूपेंद्र कुमार गुप्ता नगर पार्षद ने किया। रामलीला में राम का अभिनय आशीष, सीता-हर्ष, लक्ष्मण-नवीन लखेरा, सुमंत-गिरीश सिंगला, निषादराज-विपिन अग्रवाल, केवट-श्याम बिहारी, संजीव वशिष्ठ, बीडी अग्रवाल, नितिन, राजे रामपुरा, दशरथ का अभिनय-कपिल चंद शर्मा, कैकई-गिरीश गुप्ता, सुमित्रा-सोमेश, भरत-मुकेश चावरिया, शत्रुघन-नरेन्द्र व मंथरा का अभिनय पवन डाबला ने किया।

209 ने कराई नेत्र जांच

खोल। गांव नांधा में रविवार को निःशुल्क नेत्र जांच एवं ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 209 मरीजों की नेत्र जांच की गई, जिसमें 37 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया। इसके साथ ही 153 मरीजों को निःशुल्क चश्मे वितरित किए गए। शिविर का शुभारंभ हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी हिसार के पूर्व विस्तार शिक्षा निदेशक डा. एचडी यादव ने किया। इस अवसर पर हेडमास्टर बीर सिंह, पूर्व सरपंच हरपाल सिंह चौहान, पूर्व सरपंच बिजेंद्र सिंह, हेडमास्टर जसवंत सिंह, शिव कुमार कौशिक, जितेन्द्र पीटीआई, कुलदीप चावडा, धर्मपाल चौहान, सूबेदार कंवर सिंह, लखपत सिंह, एएसआई अजीत सिंह, राजेश कुमार सरपंच मंढोला, कपिल चिताडूंगरा, कृष्ण जांगिड़, अनील जांगिड़, जयवीर नांधा, मनफूल सिंह, अनिल मास्टर आदि मौजूद रहे।

वन में पहुंचे भरत से मिलकर भाव विभोर हुए श्रीराम

हरिभूमि न्यूज ⏭ धारूहेड़ा

- भरत और शत्रुघ्न जब अयोध्या आते हैं तो उन्हें मातम का माहौल नजर आता है

कस्बे के लाला मनीराम बाग में चल रही रामलीला के मंचन में शनिवार रात्रि भरत मिलाप का भावात्मक दृश्य प्रस्तुत किया गया। श्रीराम रामलीला क्लब धारूहेड़ा की ओर से आयोजित रामलीला के मंचन में महाराज दशरथ के स्वर्गवास के बाद गुरु वशिष्ठ की आज्ञा से भरत और शत्रुघ्न को बुलाने के लिए दूत को भेजा जाता है। भरत और शत्रुघ्न जब अयोध्या आते हैं तो उन्हें मातम का माहौल नजर आता है। वे शीघ्र ही महल में जाते हैं तो माता कैकेई उन्हें बताती है कि उन्होंने अपने दो वचनों में से एक में भरत के लिए अयोध्या का राज और दूसरे वचन में राम के लिए चौदह वर्षों का वनवास मांगा है। यह सुनकर भरत को अत्यधिक क्रोध आता है और वह अपनी माता कैकेई को खरी खोटी सुनाते हैं। भरत और शत्रुघ्न गुरु वशिष्ठ और सभी माताओं को साथ लेकर वन में श्रीराम, लक्ष्मण और सीता को वापस लाने के लिए निकल पड़ते हैं। दूर से ही भरत को आता हुआ देख राम भाव विभोर होते हैं और भरत को गले से लगा लेते हैं। भरत के बार-बार कहने पर भी राम अयोध्या जाने के लिए तैयार नहीं होते है। भरत के अनुग्रह करने पर श्रीराम भरत को अपनी चरण पादुकाएं देते हैं। भरत राम की चरण पादुकाओं को अपने सिर पर रखकर अयोध्या में ले जाते हैं और सिंहासन पर रखकर अयोध्या का राजकाज चलाने लगते हैं।

रेवाड़ी। धारूहेड़ा की रामलीला में राम–भरत मिलाप का दृश्य। फोटो : हरिभूमि

इन्होंने निभाई भूमिका

रामलीला में महाराज दशरथ की भूमिका में रमेश सिकरवाल, राम की भूमिका में डा. अश्विनी जोशी, सीता-तरुण शौर्य, भरत-प्रकाश प्रजापत, लक्ष्मण-मोंटी रंगा, शत्रुघ्न-चैतन्य सैनी, मंत्री-राहुल जोशी, महर्षि वशिष्ठ-रतन चंद सैनी, कैकेई-अरुण सेन, कौशल्या-टोनी सोनी, सुमित्रा-लीलाधर सेन, निषाद राज-सुभाष जांगड़ा, केवट-सुभाष अग्रवाल, मुकेश चांगा, सुनील यादव, सुमंत-दिलीप सिकरवाल व मंथरा का अभिनय मुकेश चांगा ने किया।

रेवाड़ी। छात्रा अंजू बावल कॉलेज स्टाफ के साथ। फोटो :हरिभूमि

अंजू ने इंटर कॉलेज बॉक्सिंग में पाया पहला स्थान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल में आयोजित इंटर कॉलेज बॉक्सिंग प्रतियोगिता ट्रायल में बावल कॉलेज की छात्रा अंजू ने प्रथम स्थान प्राप्त कर इंटर विश्वविद्यालय के लिए क्वालीफाई किया है। प्रतियोगिता इंदिरा गांधी यूनिवर्सिटी मीरपुर की ओर से आयोजित की गई। कॉलेज की प्रिंसिपल डा. नमिता ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अंजू की यह जीत न केवल कॉलेज के लिए नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। कॉलेज के खेलकूद प्रभारी मनीष यादव ने अंजू को बधाई दी और आगे भी इसी तरह प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर डा. इंद्रजीत, नीतू सिंह, डा. नीरू यादव, डा. बबीता यादव, सुरेंद्र शास्त्री, डा. निशा, विवेक भारती, रेखा चोपड़ा व देवेंद्र उपस्थित थे।

नवरात्र के अवसर पर बारा हजारी में सजा मां बगुलामुखी का दरबार

श्रृद्धालुओं ने की मां कालरात्रि की पूजा अराधना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

शारदीय नवरात्रों के अवसर पर रविवार को शहर के मंदिरों में मां दुर्गा के 9 स्वरूपों में से सातवें स्वरूप मां कालरात्रि की पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। शहर के बारा हजारी स्थित प्राचीन दुर्गा माता मंदिर, धारूहेड़ा चुंगी स्थित काली माता मंदिर, बड़ा तालाब स्थित मंसा माता मंदिर, नई बस्ती स्थित मंसा देवी मंदिर, सेक्टर-3 स्थित माता मंदिर, बारा पत्थर स्थित कालीमाता मंदिर, आर्य समाज रोड स्थित दुर्गामाता मंदिर सहित सभी मंदिरों में भारी भीड़ दिखाई दी। ग्रामीण क्षेत्रों के मंदिरों में भी पूजा-अर्चना की गई।

श्रद्धालुओं ने कतारों में लगकर माता के दर्शन किए व अपने परिजनों के लिए मन्नतें भी मांगी। शहर के मुख्य बाजारों में नवरात्रों को लेकर काफी चहल-पहल दिखाई दे रही है। बारा हजारी में सर्वजननी दुर्गोत्सव समिति की ओर से मां बगुलामुखी का पांडाल सजाया गया है। माता की रोजाना आरती व पूजा की जा रही है। समिति की ओर से 2 अक्टूबर को विजयादशमी पर माता की शोभा यात्रा निकालकर प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा।

रेवाड़ी। दुर्गा मंदिर में माता का भजनों से गुणगान करती महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

अष्टमी पर महागौरी को प्रसन्न करेंगे श्रद्धालु

मां दुर्गा के आठवें नवरात्रे पर श्रद्धालु मां दुर्गा के 8वें स्वरुप मां महागौरी की पूजा अर्चना करेंगे, वहीं कुछ श्रद्धालु अष्टमी पर मां महागौरी की पूजा-अर्चना कर अपने व्रतों का समापन भी कंजिकाओं को भोजन कराकर करेंगे। धार्मिक ग्रंथों में उल्लेख है कि महागौरी का रंग पूर्णतः गौर है। उनके गौर रंग की उपमा शंख, चन्द्र और कुंद के फूल से की गई है। मां के समस्त वस्त्र एवं आभूषण आदि भी श्वेत हैं, इनकी 4 भुजाएं हैं और इनका वाहन वृषभ है, मां के ऊपर के दाहिना हाथ अभय मुद्रा में और नीचे वाले दाहिने हाथ में त्रिशूल है तथा ऊपर वाले बाएं हाथ में डमरू और नीचे वाला हाथ वर मुद्रा में हैं। मां की मुद्रा अत्यंत शांत है।

उपासना से सभी कष्ट दूर होते हैं

महागौरी ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की

रेवाड़ी। बारा हजारी में सजा मां बगुलामुखी का दरबार।

कहा जाता है कि अपने पार्वती के रूप में मां महागौरी ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए बड़ी कठोर तपस्या की थी, जिसके कारण इनका शरीर एकदम काला पड़ गया था। इनकी तपस्या से प्रसन्न और संतुष्ट होकर भोले शंकर महादेव ने इनके पवित्र शरीर को गंगा जी के पवित्र जल से मल कर धोया तब वह विद्युत के समान गौर हो उठा तभी से इन माता का नाम महागौरी पड़ा। मां की शक्ति अमोघ और फलदायिनी है, इनकी उपासना से भक्तों के सभी कलंक धुल जाते हैं और उनके पाप भी नष्ट हो जाते हैं।